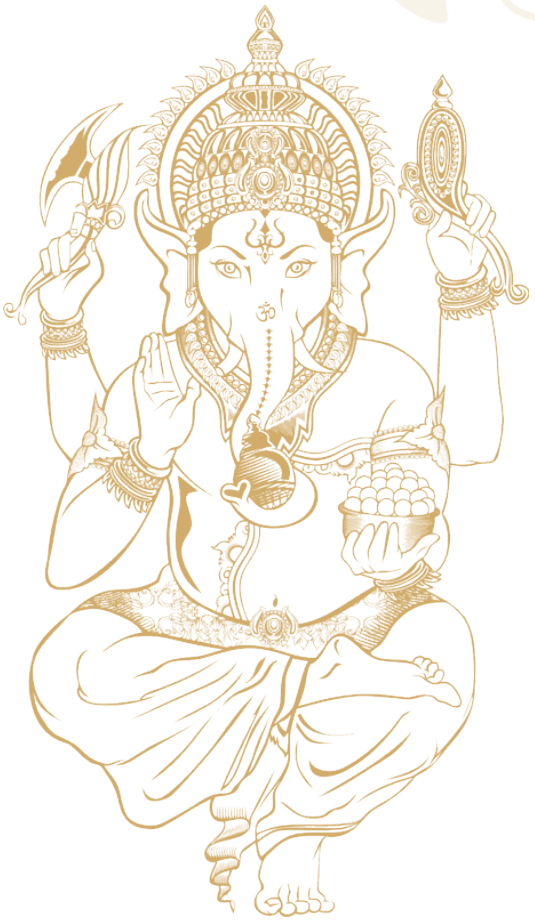

Nitish Kumar

15 Nov 2001

09:55 PM

Palamau

Model: web-freekundliweb

Order No: 121340803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/11/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:55:00 घंटे**
इष्ट	39:27:54 घटी
स्थान	**Palamau**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	23:53:00 उत्तर
रेखांश	84:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:02:08 घंटे
वेलान्तर	00:15:27 घंटे
साम्पातिक काल	01:41:26 घंटे
सूर्योदय	06:07:50 घंटे
सूर्यास्त	17:07:05 घंटे
दिनमान	10:59:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	29:29:43 तुला
लग्न के अंश	08:19:06 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शोभन
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:19:06	314:18:28	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			तुला	29:29:43	01:00:28	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	04:43:28	13:48:50	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल			मक	19:22:08	00:42:41	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			तुला	18:28:42	01:35:49	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		मिथु	21:31:47	00:02:37	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	15:02:51	01:15:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि	व		वृष	19:01:40	00:04:29	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	03:34:25	00:03:30	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	03:34:25	00:03:30	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	27:08:13	00:00:48	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:20:38	00:00:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	20:24:44	00:02:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	03:26:10	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:41

लग्न-चलित

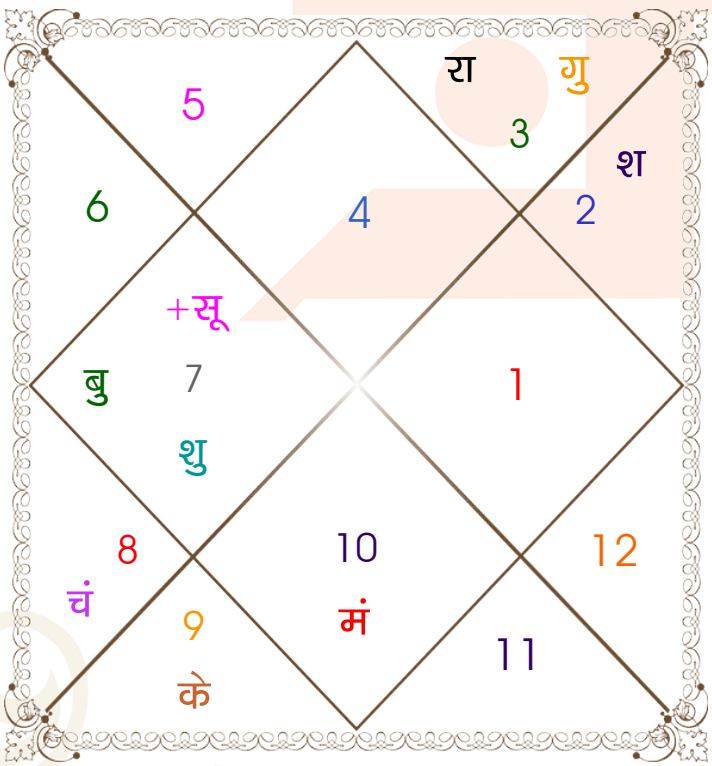

चन्द्र कुंडली

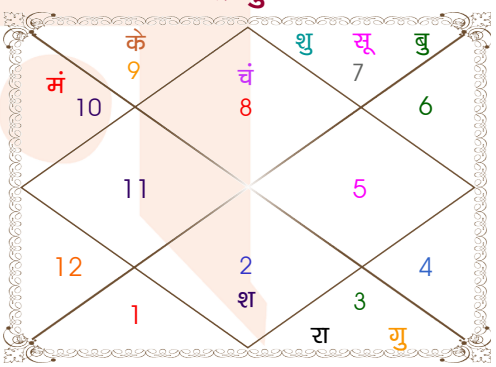

नवमांश कुंडली

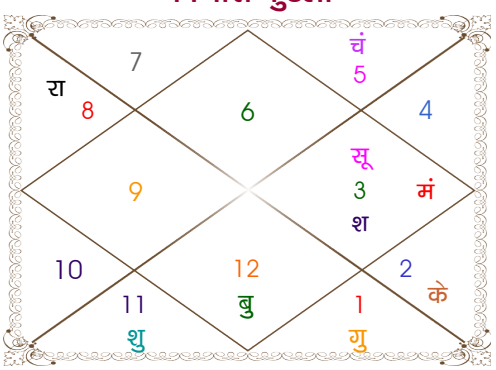

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 0 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/11/2001		22/11/2018		22/11/2035		22/11/2042		22/11/2062	
22/11/2018		22/11/2035		22/11/2042		22/11/2062		22/11/2068	
शनि	25/11/2002	बुध	20/04/2021	केतु	20/04/2036	शुक्र	24/03/2046	सूर्य	12/03/2063
बुध	04/08/2005	केतु	17/04/2022	शुक्र	20/06/2037	सूर्य	24/03/2047	चंद्र	10/09/2063
केतु	13/09/2006	शुक्र	15/02/2025	सूर्य	25/10/2037	चंद्र	22/11/2048	मंगल	16/01/2064
शुक्र	13/11/2009	सूर्य	22/12/2025	चंद्र	27/05/2038	मंगल	22/01/2050	राहु	10/12/2064
सूर्य	26/10/2010	चंद्र	24/05/2027	मंगल	23/10/2038	राहु	21/01/2053	गुरु	28/09/2065
चंद्र	26/05/2012	मंगल	20/05/2028	राहु	10/11/2039	गुरु	22/09/2055	शनि	10/09/2066
मंगल	05/07/2013	राहु	07/12/2030	गुरु	16/10/2040	शनि	22/11/2058	बुध	18/07/2067
राहु	11/05/2016	गुरु	14/03/2033	शनि	25/11/2041	बुध	22/09/2061	केतु	22/11/2067
गुरु	22/11/2018	शनि	22/11/2035	बुध	22/11/2042	केतु	22/11/2062	शुक्र	22/11/2068

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/11/2068		22/11/2078		22/11/2085		23/11/2103		23/11/2119	
22/11/2078		22/11/2085		23/11/2103		23/11/2119		00/00/0000	
चंद्र	22/09/2069	मंगल	20/04/2079	राहु	04/08/2088	गुरु	11/01/2106	शनि	16/11/2121
मंगल	23/04/2070	राहु	08/05/2080	गुरु	29/12/2090	शनि	24/07/2108		00/00/0000
राहु	23/10/2071	गुरु	14/04/2081	शनि	04/11/2093	बुध	30/10/2110		00/00/0000
गुरु	21/02/2073	शनि	23/05/2082	बुध	23/05/2096	केतु	06/10/2111		00/00/0000
शनि	22/09/2074	बुध	21/05/2083	केतु	10/06/2097	शुक्र	06/06/2114		00/00/0000
बुध	22/02/2076	केतु	17/10/2083	शुक्र	11/06/2100	सूर्य	25/03/2115		00/00/0000
केतु	22/09/2076	शुक्र	16/12/2084	सूर्य	06/05/2101	चंद्र	24/07/2116		00/00/0000
शुक्र	23/05/2078	सूर्य	23/04/2085	चंद्र	05/11/2102	मंगल	30/06/2117		00/00/0000
सूर्य	22/11/2078	चंद्र	22/11/2085	मंगल	23/11/2103	राहु	23/11/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।